

पाठ ४

पानी रे पानी

कहानी का सारांश

यह लेख जल-चक्र की प्रक्रिया से शुरू होकर आज की पानी की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करता है। इसमें बताया गया है कि कैसे पानी समुद्र से भाप बनकर उठता है, बादल बनता है और फिर बारिश के रूप में धरती पर गिरता है। लेकिन आज के समय में पानी की भारी कमी और बाढ़ जैसी विपरीत परिस्थितियाँ एक बड़ी समस्या बन चुकी हैं। गर्मियों में नलों में पानी नहीं आता और लोग मोटर लगाकर दूसरों का हक छीन लेते हैं, जबकि बरसात में बाढ़ से घर, सड़कें और शहर डूब जाते हैं। यह दोनों स्थितियाँ—अकाल और बाढ़—इस बात का संकेत हैं कि हमने प्राकृतिक जलस्रोतों जैसे तालाबों और झीलों की अनदेखी की है। लेखक गुल्लक की तुलना धरती से करते हैं, जहाँ वर्षा का पानी जमा करके पूरे साल उपयोग किया जा सकता है। अंत में संदेश दिया गया है कि हमें जल-चक्र को समझकर पानी का संचय करना चाहिए और जलस्रोतों की रक्षा करनी चाहिए, वरना हम पानी की गंभीर समस्या में फँसते चले जाएँगे।

शब्दार्थ:

- **जल-चक्र** : पानी का प्राकृतिक चक्र, जिसमें पानी भाप बनकर बादल बनता है, बारिश के रूप में गिरता है और नदियों के रास्ते समुद्र में जाता है।
- **गुल्लक** : मिट्टी या धातु का बर्तन, जिसमें पैसे जमा किए जाते हैं।
- **भूजल** : जमीन के नीचे जमा पानी।
- **अकाल** : सूखा, जब पानी की बहुत कमी हो।
- **बाढ़** : बारिश के कारण पानी का ज्यादा बहाव, जिससे बस्तियाँ डूब जाती हैं।
- **जलस्रोत** : पानी के स्रोत, जैसे नदियाँ, तालाब, झील।
- **वर्षा** : बारिश।
- **मोटर** : पानी खींचने की मशीन।
- **कमी** : कमी, अभाव।
- **खजाना** : जमा हुआ धन या संसाधन।
- **लालच** : ज्यादा पाने की इच्छा।
- **सँभालना** : देखभाल करना, सुरक्षित रखना।

पाठ से

मेरी समझ से

(क) निम्नलिखित प्रश्नों का सही उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. हमारा भूजल भंडार निम्नलिखित में से किससे समृद्ध होता है?

- नल सूख जाने से
- पानी बरसने से ★
- तालाब और झीलों से ★
- बाढ़ आने से

2. निम्नलिखित में से कौन-सी बात जल-चक्र से संबंधित है?

- वर्षा जल का संग्रह करना।
- समुद्र से उठी भाप का बादल बरसना। ★
- नदियों का समुद्र में जाकर मिलना। ★
- बरसात में चारों ओर पानी ही पानी दिखाई देना।

3. "इस बड़ी गलती की सज़ा अब हम सबको मिल रही है।" यहाँ बड़ी गलती की ओर संकेत किया गया है?

- जल-चक्र की अवधारणा को न समझना।
- आवश्यकता से अधिक पानी का उपयोग करना।
- तालाबों के कचरे से पाटकर समतल करना। ★
- भूजल भंडारण के विषय में विचार न करना।

(ख) अब अपने मित्रों के साथ संवाद कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर क्यों चुने?

उत्तर: मैंने ऊपर दिए गए उत्तर इसलिए चुने क्योंकि:

1. भूजल भंडार वर्षा और तालाबों, झीलों से रिसने वाले पानी से भरता है, जैसा कि पाठ में बताया गया है।
2. जल-चक्र की प्रक्रिया में भाप से बादल बनना और नदियों का समुद्र में मिलना मुख्य हिस्सा है, जो प्रकृति का चक्र है।
3. तालाबों को नष्ट करना पाठ में मुख्य गलती के रूप में बताया गया है, जिससे पानी की कमी और बाढ़ की समस्या बढ़ी।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से कुछ शब्द समूह चुनकर स्तंभ 1 में दिए गए हैं और उनके अर्थ स्तंभ 2 में दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और रेखा खींचकर सही मिलान कीजिए।

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. वर्षा जल संग्रहण	1. जमीन के नीचे छिपा जल भंडार।
2. जल संकट	2. वर्षा के जल को प्राकृतिक अथवा कृत्रिम रूप से (मानवीय प्रयासों से) धरती में संग्रह करना।
3. जल-चक्र	3. जल की अत्यधिक कमी होना।
4. भूजल	4. समुद्र से उठी भाप का बादल बनकर पानी में बदलना और वर्षा के द्वारा पुनः समुद्र में मिल जाना।

उत्तर:

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. वर्षा जल संग्रहण	1. जमीन के नीचे छिपा जल भंडार।
2. जल संकट	2. वर्षा के जल को प्राकृतिक अथवा कृत्रिम रूप से (मानवीय प्रयासों से) धरती में संग्रह करना।
3. जल-चक्र	3. जल की अत्यधिक कमी होना।
4. भूजल	4. समुद्र से उठी भाप का बादल बनकर पानी में बदलना और वर्षा के द्वारा पुनः समुद्र में मिल जाना।

पंक्तियों पर चर्चा

इस पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए:

- "पानी आता भी है तो बेवक्त।"

उत्तर: यह वाक्य पानी की असमान उपलब्धता की ओर इशारा करता है। कभी ज़रूरत से ज़्यादा और कभी बिल्कुल नहीं।

- "देश के कई हिस्सों में तो अकाल जैसे हालात बन जाते हैं।"

उत्तर: इसका तात्पर्य यह है कि पानी की कमी से सूखे जैसी स्थिति बन जाती है।

- "कुछ दिनों के लिए सब कुछ थम जाता है।"

उत्तर: जब अधिक वर्षा होती है, बाढ़ आती है तो जनजीवन प्रभावित होता है।

- "अकाल और बाढ़ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।"

उत्तर: यह दर्शाता है कि पानी की कमी और अधिकता दोनों ही समस्याएं उत्पन्न करती हैं।

सोच-विचार के लिए

लेख को एक बार पुनः पढ़िए और निम्नलिखित के विषय में पता लगाकर लिखिए:

(क) पाठ में धरती को एक बहुत बड़ी गुल्लक क्यों कहा गया है?

उत्तर: पाठ में धरती को एक बहुत बड़ी गुल्लक इसलिए कहा गया है क्योंकि यह वर्षा के पानी को अपने अंदर संचित करती है, जो ज़रूरत पड़ने पर हमें मिलता है।

(ख) जल-चक्र की प्रक्रिया कैसे पूरी होती है?

उत्तर: जल-चक्र की प्रक्रिया इस प्रकार पूरी होती है: समुद्र से भाप उठती है, बादल बनते हैं, फिर वर्षा होती है और वह पानी नदियों-झीलें के ज़रिए फिर समुद्र में पहुँचता है।

(ग) यदि सारी नदियाँ, झीलें और तालाब सूख जाएँगे, तो क्या होगा?

उत्तर: यदि सारी नदियाँ, झीलें और तालाब सूख जाएँ तो धरती पर भयंकर जल संकट उत्पन्न हो जाएगा और जीवन संकट में पड़ जाएगा।

(घ) पाठ में पानी को रुपये से भी गुना मूल्यवान क्यों बताया गया है?

उत्तर: पाठ में पानी को रुपयों से भी कई गुना मूल्यवान इसलिए बताया गया है क्योंकि पानी के बिना जीवन असंभव है, जबकि रुपयों से सब कुछ नहीं खरीदा जा सकता।

शीर्षक

(क) इस पाठ का शीर्षक 'पानी रे पानी' दिया गया है। पाठ का यह नाम क्यों दिया गया होगा? अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करके लिखिए। अपने उत्तर का कारण भी लिखिए।

उत्तर: इस पाठ का शीर्षक 'पानी रे पानी' इसलिए दिया गया है क्योंकि यह पाठ पानी की महत्ता, उसके संकट, और उसके संरक्षण की आवश्यकता को दर्शाता है। 'रे' शब्द एक पुकार की तरह प्रयोग हुआ है, जिससे यह दर्शाया गया है कि इंसान आज पानी के लिए पुकार रहा है। यह शीर्षक पाठ की विषयवस्तु से पूरी तरह मेल खाता है और भावनात्मक प्रभाव भी छोड़ता है।

- **कारण :** यह नाम पाठ के भाव और संदेश को प्रभावी ढंग से प्रकट करता है — कि पानी अब दुर्लभ हो गया है और हमें इसके संरक्षण के लिए गंभीरता से प्रयास करना चाहिए।

(ख) आप इस पाठ को क्या नाम देना चाहेंगे? इसका कारण लिखिए।

उत्तर: मैं इस पाठ को यह नाम देना चाहूँगा: 'बूँद-बूँद की कीमत'

- **कारण :** यह नाम इस बात को रेखांकित करता है कि आज हर बूँद पानी कीमती है। पाठ में जिस तरह पानी की कमी और उसके दुष्परिणामों की चर्चा हुई है, वह यह दर्शाता है कि पानी अब पहले जैसी सुलभ वस्तु नहीं रह गई है। यह शीर्षक पाठ के संदेश को सरल और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करता है।

शब्दों की बात

बात पर बल देना

"हमारी यह धरती भी इसी तरह की एक गुल्लक है।"

"हमारी यह धरती इसी तरह की एक गुल्लक है।"

(क) इन दोनों वाक्यों को ध्यान से पढ़िए। दूसरे वाक्य में कौन-सा शब्द हटा दिया गया है? उस शब्द को हटा देने से वाक्य के अर्थ में क्या अंतर आता है, पहचान कर लिखिए।

उत्तर: हटाया गया शब्द: "भी"

- **अर्थ में अंतर :** पहले वाक्य में "भी" शब्द यह दर्शाता है कि धरती के अलावा अन्य वस्तुएँ भी गुल्लक जैसी होती हैं और धरती उनमें से एक है। यह तुलना को स्पष्ट और प्रभावशाली बनाता है। जबकि दूसरे वाक्य में यह संकेत नहीं मिलता कि और भी चीजें ऐसी हो सकती हैं। "भी" शब्द वाक्य को व्यापक और अधिक भावपूर्ण बनाता है।

(ख) पाठ में ऐसे ही कुछ और शब्द भी आए हैं जो अपनी उपस्थिति से वाक्य में विशेष प्रभाव उत्पन्न करते हैं। पाठ को फिर से पढ़िए और इस तरह के शब्द वाले वाक्यों को चुनकर लिखिए।

उत्तर: पाठ से प्रभाव पैदा करने वाले शब्दों वाले वाक्य:

1. "पानी आता भी है तो बेवक्त।"
— "भी" शब्द यहाँ यह दर्शाता है कि पानी की उपस्थिति भी समस्या है, क्योंकि वह सही समय पर नहीं आता।
2. "कुछ दिनों के लिए सब कुछ थम जाता है।"
— "सब कुछ" शब्द ज़्यादा व्यापक असर दर्शाने के लिए प्रयुक्त हुआ है।
3. "अकाल और बाढ़ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।"
— "एक ही सिक्के के दो पहलू" एक मुहावरे के रूप में प्रयुक्त होकर अर्थ को प्रभावशाली बनाता है।
4. "पानी को रुपयों से भी कई गुना ज़्यादा मूल्यवान बताया गया है।"
— "कई गुना ज़्यादा" शब्द यह दिखाते हैं कि पानी का मूल्य केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, जीवन के दृष्टिकोण से बहुत अधिक है।

समानार्थी शब्द

नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर समान अर्थ देने वाले उपयुक्त शब्द लिखिए। इस कार्य के लिए आप बादल से शब्द चुन सकते हैं।

(क) सूरज की किरणें पड़ते ही फूल खिल उठे। (सूर्य, मेघ, भास्कर)

उत्तर: भास्कर की किरणें पड़ते ही फूल खिल उठे।

(ख) समुद्र का पानी भाप बनकर ऊपर उठ जाता है। (पवन, वारिद, वायु, दिवाकर)

उत्तर: समुद्र का पानी दिवाकर की गरमी से भाप बनकर ऊपर उठ जाता है।

(ग) अचानक बादल गरजने लगे। (जलद, वाष्प, समीर)

उत्तर: अचानक जलद गरजने लगे।

(घ) जल-चक्र में हवा की भी बहुत बड़ी भूमिका है। (दिनकर, नीरद)

उत्तर: जल-चक्र में समीर की भी बहुत बड़ी भूमिका है।

उपसर्ग

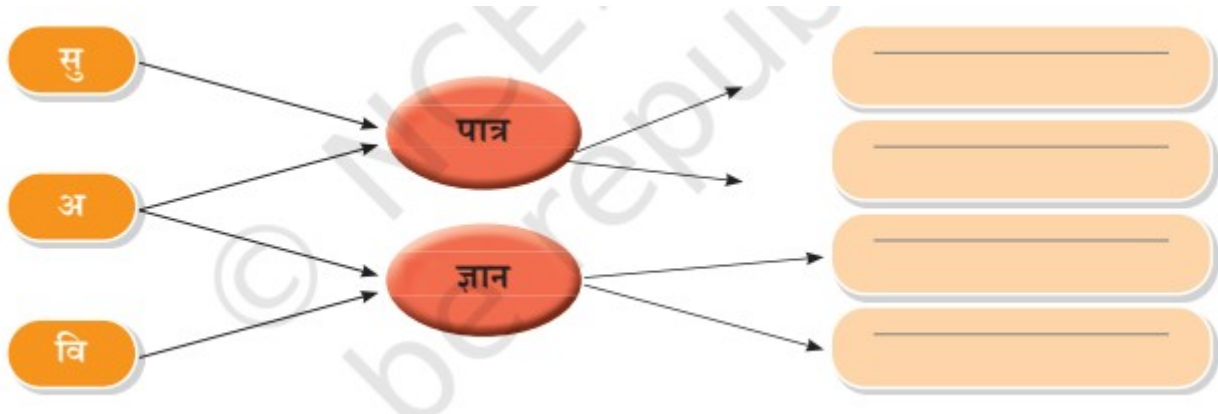
"देश के कई हिस्सों में तो अकाल जैसे हालात बन जाते हैं।"

उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित शब्द में 'अ' ने 'काल' शब्द में जुड़कर एक नया अर्थ दिया है। काल का अर्थ है—समय, मृत्यु। जबकि अकाल का अर्थ है—कुसमय, सूखा। कुछ शब्दांश किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं या कोई विशेषता उत्पन्न कर देते हैं और इस प्रकार नए शब्दों का निर्माण करते हैं। इस तरह के शब्दांश 'उपसर्ग' कहलाते हैं।

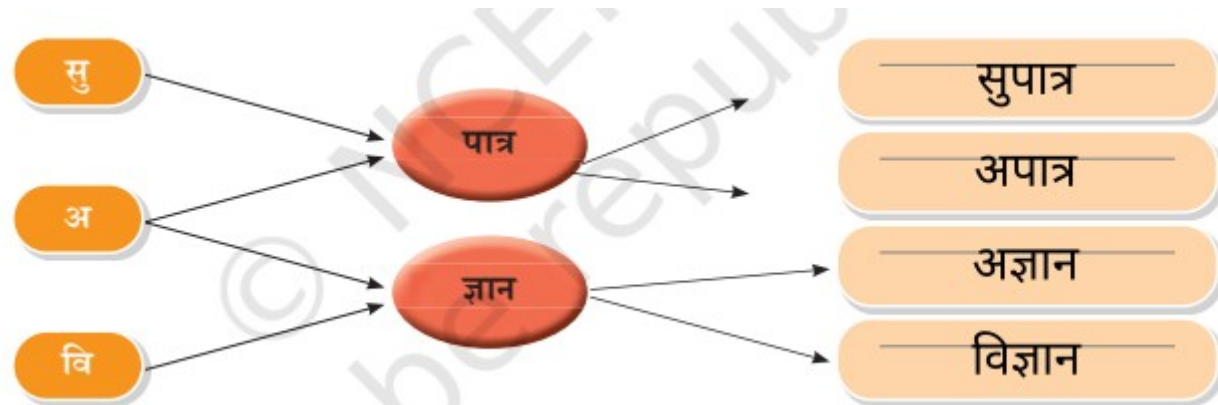
आइए, कुछ और उपसर्गों की पहचान करते हैं—



अब आप भी उपसर्गों के प्रयोग से नए शब्द बनाकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए—



उत्तर:



नए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग —

1. सुपात्र → योग्य व्यक्ति

वाक्य: दान हमेशा सुपात्र को ही देना चाहिए।

2. अपात्र → जो योग्य न हो

वाक्य: अपात्र को दान देना उचित नहीं माना जाता।

3. अज्ञान → ज्ञान का अभाव

वाक्य: अज्ञान के कारण लोग गलत फैसले ले लेते हैं।

4. विज्ञान → किसी चीज के बारे में व्यवस्थित और तर्कसंगत ज्ञान प्राप्त करना

वाक्य: विज्ञान ने आज जीवन को सरल और सुविधाजनक बना दिया है।

पाठ से आग

आपकी बात

(क) धरती की गुल्लक में जलराशि की कमी न हो इसके लिए आप क्या-क्या प्रयास कर सकते हैं, अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करके लिखिए।

उत्तर: धरती की गुल्लक में जलराशि की कमी न हो इसके लिए हम ये प्रयास कर सकते हैं:

1. पानी की बर्बादी रोकें – नल खुला छोड़ना, ज़रूरत से ज़्यादा पानी का उपयोग करना बंद करें।
2. वर्षा जल संचयन करें – घर की छतों पर वर्षा जल संग्रहण की व्यवस्था करें।
3. पेड़ लगाएं – पेड़ पानी को ज़मीन में समाहित करने में मदद करते हैं।
4. तालाबों और कुओं की सफाई करें – पुराने जलस्रोतों को संवारें और बचाएं।
5. जागरूकता फैलाएं – लोगों को पानी बचाने के लिए प्रेरित करें।
6. फव्वारे और पाइपलाइन की लीकेज ठीक कराएं – पानी की बर्बादी रोकें।

(ख) इस पाठ में एक छोटे से खंड में जल-चक्र की प्रक्रिया को प्रस्तुत किया गया है। उस खंड की पहचान करें और जल-चक्र को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करें।

उत्तर: इस पाठ में जल-चक्र की प्रक्रिया इस खंड में दी गई है:

“पानी सूरज की गरमी से वाष्प बनकर ऊपर उठता है... और वर्षा के रूप में वापस धरती पर आता है।”

[सूरज] → [समुद्र से भाप बनना] → [बादल बनना] → [वर्षा होना]
→ [नदियाँ, तालाब, झीलें] → [भूजल भंडार] → [समुद्र में वापस]

(ग) अपने द्वारा बनाए गए जल-चक्र के चित्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: जल-चक्र के चित्र का विवरण:

- वाष्पीकरण (Evaporation): सूर्य की गर्मी से नदियों, तालाबों और समुद्रों का पानी भाप बनकर ऊपर उठता है।
- संघनन (Condensation): भाप ठंडी होकर बादलों में बदल जाती है।
- वर्षा (Precipitation): बादल भारी होकर वर्षा के रूप में जल को वापस धरती पर गिराते हैं।
- संचयन और बहाव (Collection and Run-off): वर्षा का जल नदियों, झीलें और समुद्रों में जाकर एकत्र होता है और जल-चक्र फिर से शुरू हो जाता है।



सृजन

(क) कल्पना कीजिए कि किसी दिन आपके घर में पानी नहीं आया। आपको विद्यालय जाना है। आपके घर के समीप ही एक सार्वजनिक नल है। आप बाल्टी आदि लेकर वहाँ पहुँचते हैं और ठीक उसी समय आपके पड़ोसी भी पानी लेने पहुँच जाते हैं। आप दोनों ही अपनी-अपनी बाल्टी पहले भरना चाहते हैं। ऐसी परिस्थिति में आपस में किस प्रकार का विवाद (तू-तू मैं-मैं) न हो, यह ध्यान में रखते हुए पाँच संदेश वाक्य (स्लोगन) तैयार कीजिए।

उत्तर: विवाद से बचने के लिए पाँच संदेश वाक्य (स्लोगन):

1. "पानी सबका हक है, पहले मैं नहीं - पहले हम!"
2. "पानी लेने आए हैं, प्यार बाँटते जाएँ।"
3. "झगड़ा नहीं समाधान चाहिए, मिल बाँटकर पानी पाइए।"
4. "थोड़ा धैर्य, थोड़ी समझदारी - तभी मिलेगी सबको पानी की बारी।"
5. "पानी की एक बूँद भी अनमोल है, रिश्तों में मिठास ही अनुकूल है।"

इन स्लोगनों से हम सबको यह सीखने को मिलता है कि थोड़ा धैर्य, सहयोग और समझदारी से किसी भी परिस्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जा सकता है।

(ख) "सूरज, समुद्र, बादल, हवा, धरती, फिर बरसात की बूँदें और फिर बहती हुई नदी और उसके किनारे बसा तुम्हारा, हमारा घर, गाँव या शहर।"

इस वाक्य को पढ़कर आपके सामने कोई एक चित्र उभर आया होगा, उस चित्र को बनाकर उसमें रंग भरिए।

उत्तर:

पानी रे पानी

नीचे हम सबकी दिनचर्या से जुड़ी कुछ गतिविधियों के चित्र हैं। उन चित्रों पर बातचीत कीजिए जो धरती पर पानी के संकट को कम करने में सहायक हैं और उन चित्रों पर भी बात करें जो पानी की गुल्लक को जल्दी ही खाली कर रहे हैं।



उत्तर:

➤ **पानी बचाने वाली गतिविधियाँ (गुल्लक को भरने वाली):**

- पौधों को कनस्तर से पानी देना - यह तरीका नल के बहते पानी की तुलना में कम पानी का प्रयोग करता है।
- बच्चे पौधों में झाड़ी से पानी दे रहे हैं - यह नियंत्रित मात्रा में पानी का उपयोग है।
- गांव में लोग तालाब खुदाई कर रहे हैं - जल-संरक्षण का बहुत अच्छा उदाहरण है। इससे वर्षा जल संग्रह होगा।
- स्कूल की साफ-सुथरी कक्षा - साफ-सफाई में संयमित पानी प्रयोग को दर्शाता है।

➤ **पानी की बर्बादी दिखाने वाली गतिविधियाँ (गुल्लक को खाली करने वाली):**

- नल से बाल्टी में पानी भरते समय लड़की बाल्टी को ओवरफ्लो होने दे रही है - इससे पानी व्यर्थ बह रहा है।
- लड़का नल खुला छोड़कर ब्रश कर रहा है - यह पानी की गंभीर बर्बादी है।
- नल से पानी टपक रहा है और नीचे बाल्टी है लेकिन मोटर चलती है - अनावश्यक रूप से पानी बह रहा है।
- लड़का स्कूटर धो रहा है बहते पानी से - बाल्टी का उपयोग करना चाहिए ताकि पानी बचे।

➤ **निष्कर्ष:**

- हमें अपनी दिनचर्या में ऐसे कार्यों को अपनाना चाहिए जो पानी की बचत में सहायक हों। अनावश्यक पानी की बर्बादी रोककर ही हम धरती की पानी की "गुल्लक" को भरा रख सकते हैं।

सबका पानी

'सभी को अपनी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त पानी कैसे मिले' इस विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन करें। परिचर्चा के मुख्य बिंदुओं को आधार बनाते हुए रिपोर्ट तैयार करें।

उत्तर:

परिचर्चा रिपोर्ट

विषय: सभी को अपनी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त पानी कैसे मिले?

स्थान: कक्षा - 7

तिथि: 7 मई 2025

आयोजक: विज्ञान एवं पर्यावरण क्लब

रिपोर्ट:

हमारी कक्षा में 'सभी को अपनी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त पानी कैसे मिले?' इस विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने इस गंभीर विषय पर अपने-अपने विचार साझा किए।

परिचर्चा में निम्नलिखित मुख्य बिंदु उभरकर आए:

1. **पानी की बर्बादी रोकें** - टूटी हुई टोंटियों को ठीक कराना, नल खुला न छोड़ना और ब्रश करते समय नल बंद रखना चाहिए।
2. **वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग)** - वर्षा का पानी एकत्रित कर उसका सही उपयोग करना चाहिए।
3. **पुनः उपयोग (Reuse) और रिसाइकलिंग** - कपड़े धोने या बर्तन धोने के बचे पानी का प्रयोग पौधों में कर सकते हैं।
4. **जलस्रोतों की सफाई और संरक्षण** - नदियों, तालाबों और कुओं को साफ रखना ज़रूरी है।
5. **पानी का समान वितरण** - हर व्यक्ति को उसकी आवश्यकता के अनुसार पानी मिलना चाहिए, इसके लिए सरकार और समाज को मिलकर काम करना चाहिए।

निष्कर्ष:

- यह परिचर्चा बहुत उपयोगी रही। विद्यार्थियों ने समझा कि जल संकट से बचने के लिए हमें स्वयं भी जिम्मेदारी से पानी का उपयोग करना होगा।

दैनिक कार्यों में पानी

(क) क्या आपने कभी यह जानने का प्रयास किया है कि आपके घर में एक दिन में औसतन कितना पानी खर्च होता है? अपने घर में पानी के उपयोग से जुड़ी एक तालिका बनाइए। इस तालिका के आधार पर पता लगाइए—

घर के कार्यों में एक दिन में लगभग कितना पानी खर्च होता है? (बाल्टी, घड़े या किसी अन्य बर्तन को मापक बना सकते हैं)

आपके माँ और पिता या घर के अन्य सदस्य पानी बचाने के लिए क्या-क्या उपाय करते हैं?

उत्तर: हाँ, मैंने यह जानने की कोशिश की है कि मेरे घर में एक दिन में औसतन कितना पानी खर्च होता है। नीचे एक तालिका दी गई है:

कार्य	अनुमानित पानी की मात्रा	पात्र (जैसे बाल्टी)
1. नहाना	2 बाल्टी	20 लीटर
2. बर्तन धोना	1 बाल्टी	10 लीटर
3. कपड़े धोना	2 बाल्टी	20 लीटर
4. पीने और खाना पकाने के लिए पानी	1 बाल्टी	10 लीटर
5. पौधों को पानी देना	1 बाल्टी	10 लीटर
कुल	7 बाल्टी	70 लीटर

पानी बचाने के उपाय:

- मेरी माँ बर्तन धोते समय नल को बंद रखती हैं।
- पिताजी गाड़ी धोने में बाल्टी का उपयोग करते हैं, पाइप नहीं।
- मैं पौधों को नहाने के बाद बचे पानी से सींचता हूँ।

(ख) क्या आपको अपनी आवश्यकतानुसार पानी उपलब्ध हो जाता है? यदि हाँ, तो कैसे? यदि नहीं, तो क्यों?

उत्तर: हाँ, हमारे घर में पानी नियमित रूप से आता है। नगर निगम की ओर से सुबह के समय नल में पानी आता है, लेकिन कभी-कभी गर्मियों में पानी की कमी हो जाती है।

(ग) आपके घर में दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पानी का संचयन कैसे और किन पात्रों में किया जाता है?

जन-सुविधा के रूप में जल

नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए—



इन चित्रों के आधार पर जल आपूर्ति की स्थिति के बारे में अपने साथियों से चर्चा कीजिए और उसका विवरण लिखिए।

उत्तर: हमारे घर में पानी का संग्रह बाल्टी, टंकी और मटकों में किया जाता है। टंकी की मदद से ऊपरी मंजिल पर भी पानी पहुँचता है।

जल आपूर्ति की स्थिति (चित्रों के आधार पर विवरण)

- इन चित्रों से स्पष्ट होता है कि बहुत सारे लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं। कहीं लोग टैंकर से पानी भर रहे हैं, कहीं नदी या पोखर से, तो कहीं जल रेल द्वारा पानी पहुँचाया जा रहा है। यह स्थिति बताती है कि जल संकट बहुत गंभीर है और सब जगह पर्याप्त जल आपूर्ति नहीं हो पा रही है।
- हमें जल बचाने की आदत डालनी चाहिए और जल संरक्षण के उपाय अपनाने चाहिए, जैसे – वर्षा जल संचयन, टपक सिंचाई, और रिसाव रोकना।